BHARTI ENTERPRISES' SATELLITE TELECOM SERVICE READY FOR LAUNCH

Rajan Bharti Mittal, Vice Chairman of Bharti Enterprises, announced that the company's satellite telecom service is ready for rollout in India, pending government approval.

"*In India, we are waiting for the spectrum allocation to be done. Both our stations are ready, one in Gujarat and one in Tamil Nadu. The base stations are ready. So as soon as we get permission, we will be launching in India as well,*" Mittal stated in an interview with ANI at the World Economic Forum.

Bharti Enterprises has already launched 635 satellites and is providing services in several global markets.

SPECTRUM ALLOCATION AND REGULATORY DEBATE

On the ongoing debate regarding spectrum allocation—whether it should be done through an administrative process or an auction—Mittal reaffirmed Bharti Airtel's stance that satellite operators should pay licensing fees and acquire spectrum via auctions, similar to traditional telecom companies.

"*We are advocating for a level playing field. Satellite services play a crucial role in providing broadband connectivity in remote areas where terrestrial networks cannot reach. However, a balanced regulatory approach is needed to ensure fair competition,*" he explained.

Mittal also noted that Bharti Enterprises is awaiting government recommendations on the matter before moving forward.

SATELLITE SERVICES PRICING AND MARKET FOCUS

Mittal emphasized that satellite telecom services will be particularly beneficial for far-flung areas, rather than urban centers where 4G and 5G networks are already well-established.

"*Satcom will deliver services to remote regions at a reasonable price. The pricing model should reflect the need for connectivity in underserved areas while aligning with terrestrial network collaborations seen globally. We aim to provide affordable services without inflating costs,*" he stated. ■

भारती एंटरप्राइजेज की सैटेलाइट टेलीकॉम सेवा लॉन्च के लिए तैयार

भारती एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने घोषणा की है कि कंपनी की सैटेलाइट टेलीकॉम सेवा भारत में रोल आउट के लिए तैयार है, बस सरकार की मंजूरी मिलनी बाकी है।

मित्तल ने वर्ल्ड इकनोमिक फोरम में एएनआई को दिये गये साक्षात्कार में कहा, *भारत में, हम स्पेक्ट्रम आवंटन होने का इंतजार कर रहे हैं। हमारे दोनों स्टेशन तैयार हैं, एक गुजरात में और एक तमिलनाडु में। बेस स्टेशन तैयार हैं। इसलिए जैसे ही हमें अनुमति मिलेगी, हम भारत में भी लॉन्च करेंगे।*'

भारती एंटरप्राइजेज ने पहले ही **335** सैटेलाइट लॉन्च किये हैं और कई वैश्विक बाजारों में सेवायें प्रदान कर रही है।

स्पेक्ट्रम आवंटन और विनियामक बहस

स्पेक्ट्रम आवंटन के बारे में चल रही बहस पर–चाहे इसे प्रशासनिक प्रक्रिया या नीलामी के माध्यम से किया जाना चाहिए–मित्तल ने भारती एयरटेल के रूख की पुष्टि की कि सैटेलाइट ऑपरेटरों की पारंपरिक दूरसंचार कंपनियों की तरह ही लाइसेंसिंग शुल्क का भुगतान करना चाहिए और नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम प्राप्त करना चाहिए।

उन्होंने बताया, *हम समान अवसर की वकालत कर रहे हैं। सैटेलाइट सेवायें दूरदराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जहां टेरस्ट्रियल नेटवर्क नहीं पहुंच पाते हैं। हालांकि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए एक संतुलित नियामक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।*' मित्तल ने यह भी बताया कि भारती एंटरप्राजेज आगे बढ़ने से पहले इस मामले सरकार की सिफारिशों का इंतजार कर रही है।

सैटेलाइट सेवाओं का मूल्य निर्धारण और बाजार फोकस

मित्तल ने इस बात पर जोर दिया कि सैटेलाइट दूरसंचार सेवायें शहरी केंद्रों के बजाय दूर–दूराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी, जहां **4**जी और **5**जी नेटवर्क पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है।

उन्होंने कहा '*सैटकॉम दूरदराज के क्षेत्रों में उचित मूल्य पर सेवायें प्रदान करेगा। मूल्य निर्धारण मॉडल को वैश्विक स्तर पर देखे जाने वाले टेरस्ट्रियल नेटवर्क सहयोग के साथ संरेखित करते हुए कम सेवा वाले क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। हमारा लक्ष्य लागत में वृद्धि किये बिना सस्ती सेवायें प्रदान करना है।* ■